

As item/letter/article/editorial published on 11. 8. 16 in the

Hindustan Times ✓
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald

M.P. Chronicle
Aaj (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Blitz

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CV/C.

'Yamuna fest damaged floodplain'

HT Correspondent

■ htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The National Green Tribunal-appointed expert committee has said the mega-cultural event held on the banks of Yamuna by the Art of Living Foundation caused extensive damage to the fragile floodplain.

The committee, set up in March to assess the damage caused to the floodplain because of the activity during and before the event, submitted its report to the tribunal on Wednesday.

The committee, which had said after a pre-event visit that the foundation should pay ₹120 crore as compensation for the

damage it caused to the floodplain, did not fix monetary compensation in its final report.

"The tribunal asked the ministry of water resources to form a separate committee and fix a compensation amount. This committee has to submit its report in three weeks," said Ritwick Dutta, lawyer for the petitioner.

The Art of Living Foundation, however, filed an application to reconstitute the expert committee on the grounds that the committee was biased.

"Our application has been filed on the basis of strong irrefutable evidence. The committee has admitted that they had in the first instance inadvertently

recommended the compensation amount without any scientific assessment. One committee member published his baseless conclusions in a media interview. We have found that another member of the expert committee has an extremely close proximity with the petitioner," a statement issued by the foundation said.

The tribunal has not heard the plea. "It is not logical to take the report of the committee into consideration before our application is heard," the statement added.

Earlier, the foundation submitted a report compiled by another set of experts which said no harm was caused to the floodplain because of the event.

Hindustan Times

Statesman

The Times of India (N.D.)

Indian Express

Tribune ✓

Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)

Punjab Keshari (Hindi)

The Hindu

Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle

Deccan Herald

M.P. Chronicle

Aaj (Hindi)

Indian Nation

Nai Duniya (Hindi)

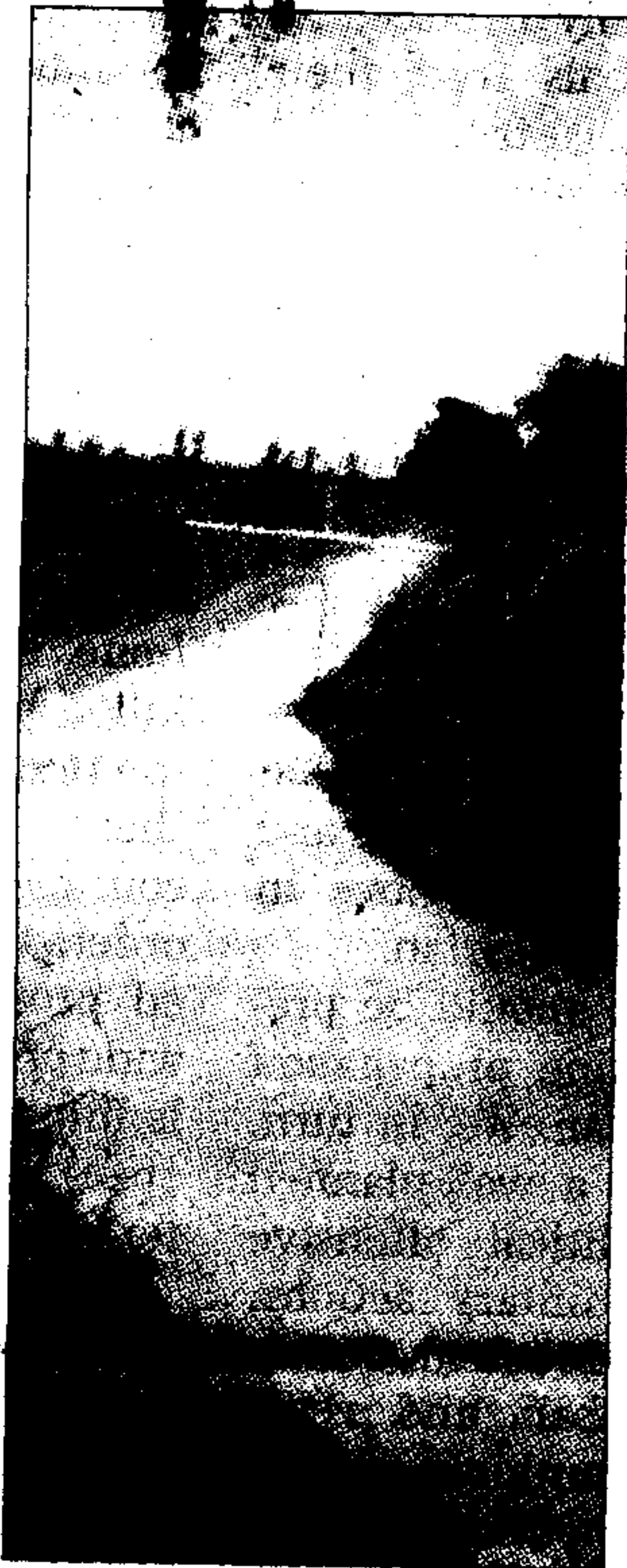
The Times of India (A)

Blitz

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC.

on vacancies/posts of princi-

Trial run on Saraswati river



Water flows into the Saraswati river in Uncha Chandna village of Yamunanagar district.

TRIBUNE PHOTO

TRIBUNE NEWS SERVICE

YAMUNANAGAR, AUGUST 10

The trial run of releasing water into the Saraswati river has been successful in Yamunanagar district.

The trial was conducted in the 11-km area of Yamunanagar district from Uncha Chandna village to Jhivrehri village. The water has now entered the area of Kurukshetra district and is expected to reach Kurukshetra city soon.

Sources said the 25 cusecs water was released into the river from Uncha Chandna village at 3 pm on August 3. The water was later increased to 50 cusecs on August 6 and it would be further increased to 150 cusecs soon.

Prashant Bhardwaj, deputy chairman, Haryana Saraswati Heritage Development Board, said the trial run of had been going on since August 3.

The sources said in the first phase, the water of the river

would be flown into the Ghaggar river in Kaithal district till the rest of the portion of the river was excavated in other districts.

They said the water was being supplied to the Saraswati river from the Dadupur head through the Shahbad-Nalvi feeder. The water of Som, Pathrala and Yamuna rivers (through Western Yamuna Canal) gets collected at the Dadupur head.

"The revival of the Saraswati will solve several purposes, including religious sentiments of the people, recharging of groundwater in an area facing the problem of low water table, interlinking of rivers, maximum use of rain and flood-water in dams and reservoirs," said Bhardwaj.

The sources said excavation of the river had been started with the efforts of Darshan Lal Jain, president, Saraswati Nadi Shodh Sansthan, on April 21, 2015.

News item/letter/article/editorial published on 11.8.16 in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)

Kav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi)
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi) ✓
Deccan Chronicle
Deccan Herald

M.P. Chronicle
Aaj (Hindi)
Indian Nation
Kai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Elitz

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC.

लगातार 18 घंटे मूसलाधार, मंद पड़ी सूरत की रफ्तार

पत्रिका - 11-8-16

कई निचले इलाकों में पानी भरा, सड़कों पर परेशान रहे वाहन चालक, जगह-जगह जाम, स्कूल-दफ्तर जाने में मुश्किलें, 13 जगह पेड़ गिरे
सेंट्रल जोन में सबसे ज्यादा 69 मिमी बारिश

उकाई डेम का लेवल 333 फीट पर

नर्मदा नदी खतरे के निशान से पांच फुट नीचे



कोजवे ओवरफ्लो... सूरत में बुधवार को इस सावन की पहली झमाझम बारिश ने शहर की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिए। बादलों ने मंगलवार देर रात बरसना शुरू किया तो बुधवार शाम तक लगातार 18 घंटे बरसते रहे। इससे कई इलाकों में पानी भर गया तो रांदेर और वेड रोड को जोड़ने वाला बियर कम कोजवे ओवरफ्लो हो गया। दोपहर इस पर आवागमन बंद कर दिया गया। बुधवार शाम कोजवे के ऊपर से बहता पानी एवं शहर भरे पानी से गुजरते वाहन।

ws item/letter/article/editorial published on

11. 8. 16.

in the

Hindustan Times
Statesman
The Times of India (N.D.)
Indian Express
Tribune
Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)
Punjab Keshari (Hindi) ✓
The Hindu
Rajasthan Patrika (Hindi)
Deccan Chronicle
Deccan Herald

M.P. Chronicle
Aaj (Hindi)
Indian Nation
Nai Duniya (Hindi)
The Times of India (A)
Eliz

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC.

आगरा में यमुना नदीतल परियोजनाओं पर रिपोर्ट से एनजीटी नाखुश ~~पंजाब~~ पंजाब 11-8-16

नई दिल्ली, (भाषा): राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने इस बात पर बड़ी आपत्ति जताई है कि आगरा में यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र से विभिन्न रियल इस्टेट परियोजनाओं की दूरी के संबंध में उत्तर प्रदेश सरकार और अन्य राज्य एजेंसियों की ओर से जो रिपोर्ट पेश की गई हैं उनमें भारी अंतर है।

हरित अधिकरण ने यमुना के बाढ़क्षेत्र में बिल्डरों द्वारा कराये गए निर्माण पर उत्तर प्रदेश सरकार की

ओर से पेश चार्ट पर असंतोष जताया और बाढ़ क्षेत्र की 'सही स्थिति' एवं विभिन्न परियोजनाओं की दूरी का पता लगाने के लिए रजिस्ट्रार जनरल मुकेश कुमार गुप्ता को स्थानीय कमिश्नर नियुक्त किया।

आगरा विकास प्राधिकरण और सिंचाई विभाग के सलाह-मशविरे से तैयार चार्ट बाढ़ क्षेत्र के सीमांकन के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले स्तंभ की नदी किनारे से दूरी और स्तंभ से निर्माण परियोजना की

चारदीवारी की दूरी दिखाता है। एनजीटी अध्यक्ष स्वतंत्र कुमार के नेतृत्व वाली पीठ ने कहा, "इस चार्ट में हलफनामों और राज्य की विभिन्न एजेंसियों की ओर से दायर संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट में काफी अंतर है। इन चार्ट को जिस तरीके से तैयार किया गया है और जिस तरह से संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट अधिकरण के समक्ष पेश की गई है, उस पर हम अपना असंतोष व्यक्त करते हैं।"

Hindustan Times

Statesman

The Times of India (N.D.)

Indian Express

Tribune

Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)

Punjab Keshari (Hindi)

The Hindu

Rajasthan Patrika (Hindi) ✓

Deccan Chronicle

Deccan Herald

M.P. Chronicle

Aaj (Hindi)

Indian Nation

Nal Dunya (Hindi)

The Times of India (A)

BNB

and documented at Bhadrachal(English) & Publicity Section, CWC,

तीन घंटे बारिश से 1 करोड़ के जीरे का नुकसान



पत्रिका न्यूज नेटवर्क

rajasthanpatrika.com

जोधपुर. शहर में मंगलवार को हुई मूसलाधार बारिश से जीरा मंडी में पड़े जीरे सहित विभिन्न कृषि जिनसों का भारी नुकसान हुआ। जीरा मंडी बनने के बाद पहली बार तीन से चार फुट पानी बहा, जिससे किसानों व व्यापारियों का शेड के नीचे रखा माल बारिश के पानी के साथ बह गया, जिसकी अनुमानित कीमत एक करोड़ से ज्यादा है। जीरा मंडी में बारिश के पानी की निकासी नहीं होने से मण्डोर कृषि उपज मण्डी का पानी भी जीरा मंडी में आ गया। तीन घंटे लगातार बारिश होने से मंडी प्रांगण में बाढ़ जैसे हालात हो गए और पानी का तेज बहाव रहा। जिस वजह से प्रांगण

में पड़ी जीरे की बोखियां पानी से गीली हो गई और खुला पड़ा जीरा बह गया। जीरे के साथ प्रांगण में पड़ी मैथी, सरसों, मूंग, रायड़ा व ग्वार को भी नुकसान हुआ। जीरा मंडी व्यापार संघ के अध्यक्ष पुरुषोत्तम मूंदड़ा ने बताया कि तेज बारिश होने पर जिला कलेक्टर, महापौर, एडीएम सिटी व मण्डी प्रशासन को फोन किया। बार-बार फोन करने के बाद भी पानी निकासी के लिए कोई साधन मुहैया नहीं कराया गया तो व्यापार संघ ने अपने स्तर पर जेसीबी बुला कर नाला तुड़वाया, तब कहीं मंडी का पानी नीचे उतरा। जीरा मंडी व्यापार संघ के अध्यक्ष पुरुषोत्तम मूंदड़ा ने बताया कि बारिश की वजह से मंडी प्रांगण में पानी भरा हुआ है।

News item/letter/article/editorial published on

11.8.16

in the

Hindustan Times

Statesman

The Times of India (N.D.)

Indian Express

Tribune

Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)

Punjab Keshari (Hindi)

The Hindu

Rajasthan Patrika (Hindi) ✓

Deccan Chronicle

Deccan Herald

M.P. Chronicle

Aaj (Hindi)

Indian Nation

Nai Duniya (Hindi)

The Times of India (A)

Elite

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC.

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

सूरत. बादलों ने मंगलवार देर रात जोर-शोर से जो बरसना शुरू किया तो बुधवार शाम तक लगातार 18 घंटे झमाझम बरसते रहे। सावन की इस पहली मूसलाधार बारिश ने शहर की रफ्तार पर ब्रेक लगा दिए, कई निचले इलाकों में पानी भर गया, सड़कों पर भरे पानी ने वाहन चालकों का सरदर्द बढ़ा दिया और जगह-जगह जाम लगा रहा। बारिश ने कई लोगों को घरों में कैद रखा। सुबह स्कूल-दफ्तर जाने वालों को

खासी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कई बच्चे स्कूल नहीं जा पाए। शहर में 13 जगह पेड़ धराशायी हो गए। मूसलाधार बारिश से रांदेर और वेड रोड को जोड़ने वाले वियर कम कोजवे ओवरफ्लो हो गया। इस पर आवागमन बंद कर दिया गया है। उकाई के कैचमेंट एरिया में भी भारी बारिश से डेम का लेवल बढ़ता जा रहा है।

शहर में रविवार रात भी तेज बारिश हुई थी और सोमवार को बादल दिनभर थम-थम कर बरसे थे। मंगलवार को दिन में ब्रेक के

पत्रिका - 11-8-16

नर्मदा बांध पर 3.97 मीटर चादर

मध्य. जिले के केवडिया कॉलोनी स्थित सरदार सरोवर नर्मदा बांध पर मंगलवार को चौथे दिन भी चादर चली। बांध बुधवार को 3.97 मीटर की ऊंचाई से ओवरफ्लो हो रहा था जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक बांध पर आ रहे हैं। बांध का जलस्तर 125.89 मीटर रहा। ऊपरी क्षेत्र में सरदार सरोवर बांध में 3.18 लाख क्यूसेक पानी आने से बांध पर चादर चल रही है।

बाद देर रात फिर तेज बारिश शुरू हो गई, जो बुधवार को दिनभर

चलती रही। लगातार बारिश से कई जगह पानी भर गया।

बारिश के कारण कई जगह सड़कों पर गड्ढे पड़ गए और

जगह-जगह ट्रैफिक जाम रहा। सड़कों पर पानी के कारण कई वाहन बंद हो गए।

सुबह बारिश के कारण कई बच्चे स्कूल नहीं गए। शहर के सेंट्रल जोन में सबसे ज्यादा 69 मिमी बारिश हुई। अठवा में 28, वराछा में 40, रांदेर में 56, कतारगाम में 41, उधना में 20 और लिम्बायत जोन में 39 मिमी बारिश हुई। शहर में बुधवार सुबह तक 55.6, शाम तक 38.4 और दिनभर में करीब 69 मिमी बारिश हुई।

Hindustan Times

Statesman

The Times of India (N.D.)

Indian Express

Tribune

Hindustan (Hindi) ✓

Nav Bharat Times (Hindi)

Punjab Keshari (Hindi)

The Hindu

Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle

Deccan Herald

M.P.Chronicle

Aaj (Hindi)

Indian Nation

Nai Duniya (Hindi)

The Times of India (A)

Elitz

and documented at Bhagirath(English)& Publicity Section, CWC.

‘नमामि गंगे’ के लिए उमा ने सांसदों से सहयोग मांगा

नई दिल्ली | एजेसियां

11-8-16

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण मंत्री उमा भारती ने गंगा किनारे के क्षेत्रों में बसे लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे लोकसभा सदस्यों से ‘नमामि गंगे’ कार्यक्रम को सफलता बनाने में सक्रिय सहयोग देने का अनुरोध किया है।

उमा भारती ने अपने आवास पर गंगा तट से जुड़े सांसदों की एक बैठक की। उन्होंने सांसदों से गंगा की सफाई में सक्रिय मदद करने का आह्वान किया है। बैठक में मौजूद सांसदों ने नमामि गंगे कार्यक्रम की सराहना की और कई सांसदों ने अपने क्षेत्रों में इस कार्यक्रम के तहत विशेष परियोजनाएं शुरू करने की मांग की।

केंद्रीय मंत्री ने सांसदों को भरोसा दिया कि उनको विश्वास में लिए बिना उनके क्षेत्र में कोई काम शुरू नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा, ‘मैं अपने सभी अधिकारियों को निर्देश देती हूँ कि वे आगे से इस बात का ध्यान रखें किसी भी सांसद को कोई शिकायत नहीं होनी चाहिए कि उनका क्षेत्र छूट गया।’

विश्व बैंक ने तारीफ की

उमा ने कहा कि कार्यक्रम में सभी पहलुओं का ध्यान रखा गया है जिसमें प्रदूषण निवारण, गंगा की अविरलता और उसके आसपास की वनस्पतियों का संरक्षण शामिल है। उन्होंने कहा कि विश्व बैंक ने भी हमारी इस योजना की प्रशंसा की है और कहा, पहली बार किसी भी नदी की संरक्षण की योजना इतनी समग्रता से तैयार की गई है।

लोकगायक जागरूक करेंगे

सांसद मनोज तिवारी के गंगा के किनारे बसे क्षेत्रों के लोकगीत गायक और संगीतकारों को एकत्र करके गंगोत्री से गंगा सागर तक उनके कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। इस पर मंत्री ने सहमति जताई है।

गंगासागर तक यात्रा

उमा ने कहा कि ‘यदि मुझे प्रधानमंत्री जी से अनुमति मिल गई तो मेरी गंगोत्री से गंगासागर तक पदयात्रा करने की इच्छा है ताकि मैं स्वयं प्रत्येक स्थान पर कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा कर सकूँ, लोगों से हाथ जोड़कर विनती कर सकूँ कि वे इस कार्यक्रम को सफल करने में अपना सहयोग दें।’

गंगा किनारे बसे गांवों में जागरूकता कार्यक्रम

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

मुहिम

मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने गंगा किनारे बसे करीब डेढ़ हजार गांवों में पर्यावरण साक्षरता का पाठ पढ़ाने का फैसला लिया है। इसके लिए राष्ट्रीय साक्षरता मिशन कार्यक्रम के तहत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

साक्षरता विभाग ने इसके लिए प्रौढ़ शिक्षा अनुदेशकों के लिए पठन-पाठन सामग्री भी तैयार की है। इसमें गंगा के धरती पर पहुंचने से लेकर उसकी मौजूदा स्थिति और स्वच्छ रखने के तौर-तरीकों पर चर्चा की गई है। मंत्रालय के अनुसार पांच राज्यों उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में 53 जिले ऐसे हैं जिनसे होकर गंगा निकलती है। इन जिलों में 1657 गांव ऐसे हैं जो गंगा के तट पर बसते हैं। इन

- उत्तराखंड, यूपी, बिहार, झारखंड, बंगाल के गंगा से लगे 53 जिले हैं
- 1657 गांव बसे हैं पांच राज्यों के गंगा नदी के तटीय इलाकों में

गांवों में प्रौढ़ शिक्षा केंद्रों में पर्यावरण साक्षरता कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है। इससे लोग गंगा की स्वच्छता को लेकर जागरूक हो सकेंगे। मंत्रालय के अधिकार के मुताबिक गंगा में प्रदूषण में गांवों की भूमिका नगण्य है। लेकिन यदि ग्रामीण जागरूक होंगे तो वे तटीय क्षेत्रों में लगे उद्योगों से हो रहे प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाएंगे। नए लगने वाले उद्योगों को प्रदूषण फैलाने से रोकने के लिए बाध्य करेंगे। यह कार्यक्रम बेहद महत्वपूर्ण साबित होगा।

W. 8.16

ews item/letter/article/editorial published on

in the

Hindustan Times

Statesman

The Times of India (N.D.)

Indian Express

Tribune

Hindustan (Hindi)

Nav Bharat Times (Hindi)

Punjab Keshari (Hindi)

The Hindu

Rajasthan Patrika (Hindi)

Deccan Chronicle

Deccan Herald

M.P.Chronicle

A a j (Hindi)

Indian Nation

Nai Duniya (Hindi)

The Times of India (A)

Elitz

and documented at Bhagirath(English) & Publicity Section, CWC.

नव-११-८-१६
**गंगा के लिए पदयात्रा
करना चाहती हैं उमा**

■ प्रस, नई दिल्ली : जल संसाधन मंत्री उमा भारती गंगा की अविरलता और स्वच्छता को सुनिश्चित करने के लिए गंगोत्री से गंगासागर तक की पदयात्रा करना चाहती हैं। इसके साथ ही उन्होंने गंगा किनारे से आने वाले लोकसभा सदस्यों से गंगा की सफाई के काम में हाथ बंटाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे आजादी के बाद गंगा में फैलाए गए प्रदूषण का प्रायश्चित है।

दिल्ली के 11 अगस्त/16 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

✓ Hindustan Times (Delhi)
हिन्दुस्तान टाइम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

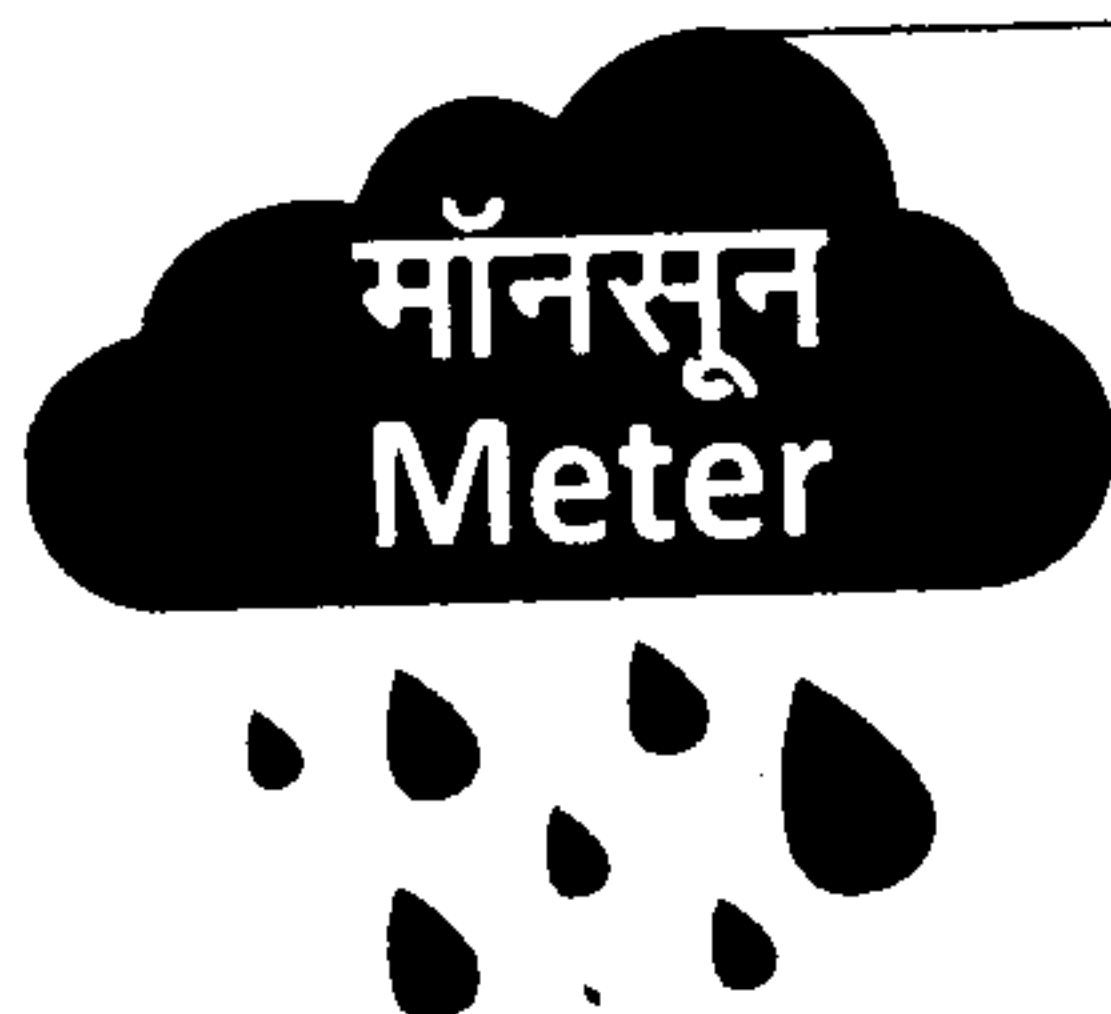
नवम्बर टाइम्स 11/8/16 15 अगस्त को हो सकती है हल्की बारिश

■ स, नई दिल्ली : 15 अगस्त को दिल्ली और आसपास के इलाकों में हल्की बारिश होने की संभावना है। इस दौरान तापमान कम रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने एक हफ्ते का बुलेटिन जारी किया, जिसमें गुरुवार से सोमवार तक दिल्ली में बारिश होने की उम्मीद जताई गई है।

बुधवार को शाम के वक्त कई जगहों पर बारिश हुई। मैक्सिमम टेंपरेचर 35.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो नॉर्मल से एक डिग्री कम है। मिनिमम टेंपरेचर 27.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो नॉर्मल से एक डिग्री ज्यादा है।

बुधवार शाम बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया। मौसम वैज्ञानिकों ने उम्मीद जताई है कि आने वाले दिनों में इसी तरह से बारिश हो सकती है। गुरुवार को बादल छाए रह सकते हैं। हल्की बारिश हो सकती है।

मैक्सिमम टेंपरेचर 35 डिग्री और मिनिमम टेंपरेचर 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। स्काइमेट के मौसम वैज्ञानिक महेश पलावत ने बताया कि इस हफ्ते दिल्ली और आसपास के इलाकों में बारिश होने की उम्मीद है। तापमान नॉर्मल से कम रह सकता है।



मौसम विभाग ने ओडिशा, झारखंड में अगले दो दिन भारी बारिश होने की आशंका जताई है।

जोधपुर में बारिश ने 90 साल का रिकॉर्ड तोड़ा, सेना अलर्ट पर।

मध्य प्रदेश में अगले 24 घंटों में सामान्य से भारी बारिश होने की उम्मीद है।



दिनांक !! ११/८/१६ को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)

हिन्दुस्तान टाइम्स (दिल्ली)

✓ Tribune (Chandigarh)

The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)

The Times of India (Mumbai)

The Telegraph (Kolkata)

हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)

The Deccan Chronical (Hyderabad)

Central Chronical (Bhopal)

The Tribune, 11/8/16
**Scanty rainfall in HP,
Punjab, Haryana: Met**

VIJAY MOHAN

TRIBUNE NEWS SERVICE

CHANDIGARH, AUGUST 10

The monsoon in Punjab, Haryana and Himachal Pradesh has been deficient so far, though the national average of rainfall is marginally above normal.

Data compiled by the Indian Meteorological Department (IMD) reveals that till August 9, rainfall has been deficient by 22 per cent in Punjab and 20 per cent in Haryana and Himachal Pradesh. Rainfall is termed as deficient if the deviation is 20 per cent or more from normal.

This season, Punjab received 228.7 mm rainfall against the normal of 293.4 mm. In Haryana, it was 212.5 mm against the normal of 266.6, while in HP it was 398.6 against the normal of 499.6.

Out of 12 districts in

Himachal Pradesh, rainfall has been below normal in eight, with the shortfall ranging from eight to 83 per cent this season. While three out of the 22 districts in Punjab have experienced excess downpour, rainfall is 10-80 per cent below normal in 15 districts. Only one district out of 21 in Haryana received excess rainfall, while in 17 the deviation was three to 71 per cent below normal.

In contrast, the relatively drier state of Rajasthan has received bountiful rains, with the deviation being 56 per cent above normal in east Rajasthan and 13 per cent above normal in west Rajasthan. Rainfall has also been deficient in eastern Gujarat, Kerala, Jharkhand and the northern states. The average rainfall in J&K is 8 per cent above normal.

दिनांक ११.०८.१९९१ को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
हिन्दुस्तान टाइम्स (दिल्ली)
✓ The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengaluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

The Tribune, 11/8/91

Heavy rains lash city

NEW DELHI, AUGUST 10

Heavy rains lashed the national Capital this evening leading to traffic snarls while high humidity troubled Delhiites.

"The maximum and minimum temperatures were recorded at 35.3°C and 27.5°C, both a notch above normal," said an official of the Met Department.

The humidity levels oscillated between 89 and 60 per cent. While no rainfall was recorded till 5:30 pm, heavy rains lashed various parts of Delhi after that which led to traffic snarls on major intersections. — PTI

क्र.सं. 103751500 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
हिन्दुस्तान टाइम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

Krishna flows to AP help TS

DC CORRESPONDENT
HYDERABAD, AUG. 9

There will be no problem for those intending to take a holy dip during the 12-day Krishna Pushkaralu starting from August 12 in Guntur and Krishna districts as officials have released water from Nagarjunasagar.

AP engineer-in-chief M. Venkateswara Rao told this newspaper on Monday that about 3,500 cusecs of Krishna water was being released from the dam, which will be increased to 7,000 cusecs by Wednesday. The water will be stored at Pulichinthala dam on the Nalgonda-Guntur border.

"From Pulichintala to Prakasam barrage and further down, we will regulate water release mainly for the purpose of bathing at all the ghats on either side of the river, but we will see water is not wasted," he said.

He said that starting Thursday, a day ahead of the Pushkaralu, a good amount of water would flow in the river.

He said the Pulichintala dam had 1.4 tmc ft

of water which would be augmented by supplies from Nagarjunasagar. The releases from Nagarjunasagar to Pulichintala would be useful for the devotees in the bathing ghats in Telangana state like Vadapally, Mattapally and NS Dam Sivalayam areas.

Telangana state irrigation officials have been instructed to release nearly 2 tmc ft of water daily (about 22,000 cusecs) from Srisaillam to Nagarjunasagar to build up the level. Despite inflows into Srisaillam, the situation at Nagarjunasagar continues to be critical with water at 506 ft, below the Minimum Draw Down Level of 510 ft against full reservoir level of 590 ft.

There is a steady inflow of about 1.67 lakh cusecs into Srisaillam, where the water level touched 862 feet on Tuesday against the full reservoir level of 885 feet. According to a senior irrigation official, water released from Srisaillam to Nagarjunasagar will be useful for both TS and AP.

TS TO SUPPLY KRISHNA WATER TO 2 DISTRICTS

DC CORRESPONDENT
HYDERABAD, AUG 9

The Telangana state government is bracing up to ensure sufficient water at the bathing ghats in Mahbubnagar and Nalgonda districts for the Krishna Puskaralu.

While the water is reaching bathing ghats in Mahbubnagar, there is little water in the river in Nalgonda district.

Coming to know of the situation, Chief Minister K. Chandrasekhar Rao reportedly asked irrigation minister T. Harish Rao to speak to collectors of Mahbubnagar and Nalgonda districts and ensure availability of water.

Mr Harish Rao, who held a video conference, said there would be sufficient water in both the districts.

दिनांक 10.08.16 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाइम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

The Hindu, 10/8/16

Ponds in Yelagiri Hills get new lease of life

SERENA JOSEPHINE M.

VELLORE: Three ponds in Yelagiri Hills have been given a new lease of life. Thanks to the efforts of two middle-aged men and their friends, two ponds which were earlier covered with dirt and silt are slowly getting good flow of sparkling clean waters. Work on the third one is underway.

When the former President APJ Abdul Kalam, passed away last year, forty-nine-year-old K. Pugalendhi Raja and his cousin P.V. Bhagavath (45) - residents of Kodyur in Jolarpet, were inspired to walk in his footsteps. Motivated by the country's "Missile Man" they decided to make a difference to the society. They began an NGO shortly.

"Thus was born *Curing the Nature*, a not for profit organisation. We wanted to take sustained efforts to conserve nature. We along with the NGO members and friends from Jolarpet, Vaniyambadi and Tirupattur started to take up cleaning measures at Yelagiri Hills," said Mr. Raja.

It was then they came across three abandoned water bodies in Muthanoor village, the first hamlet between the 11th and 12th hairpin bend of Yelagiri Hills.

They along with friends have now successfully



SUSTAINED EFFORTS: Members of an NGO clean a water body on Yelagiri Hills.

cleaned up three ponds in Yelagiri Hills. In fact, persons, who came across their efforts on Facebook, also joined them.

Source of drinking water

"Years ago, these ponds served as drinking water source for the villagers. The three ponds had received water from one spring. But the ponds were abandoned as people moved on to borewell and water sumps. The ponds

were fully covered with silt," he added.

As a number of friends chipped in, the team, comprising 50 to 60 persons, started to desilt the water bodies. In fact, a number of persons joined hands after coming across their work on Facebook.

"We started to clean the first pond nearly three months ago. We moved on to the second pond subsequently. The water bodies were filled with dirt as it

was abandoned, and we have desilted them," Mr. Bhagavath added. The group took up the works every Sunday. "Last Sunday, we started desilting works at the third pond. It will take another 4-5 weeks to complete the work," Mr. Raja said. He added that youngsters from the village also came forward to join the work. "We need to conserve water bodies and not waste such natural resources," he said.

दिनांक 10/3/16 को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)

नवभारत टाइम्स (दिल्ली)

The Tribune (Chandigarh)

The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)

The Times of India (Mumbai)

The Telegraph (Kolkata)

हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengluru)

The Deccan Chronical (Hyderabad)

Central Chronical (Bhopal)

The Hindu, 10/3/16
**Light showers may
continue today**

STAFF REPORTER

CHENNAI: After a hot day, light showers surprised city residents on Tuesday evening. This is likely to continue for the next 24 hours.

Due to the convection process, the sky is likely to be cloudy and rain or thundershowers may occur in some parts of the city during the evening or night, officials of the Meteorological Department said.

On Tuesday, Nungambakkam and Meenambakkam received 0.9 cm and 0.5 cm of rainfall respectively.

Due to convective activity, the sky is likely to be cloudy and showers may occur after evening

Though there was a cooling effect after the rain, the maximum temperature remained 37 degree Celcius and the minimum 24 degree Celcius, officials said.

Some parts of the State and Puducherry too are likely to experience light showers in the next 24 hours.

...

दिनांक ११ अगस्त, १६ को निम्नलिखित समाचार पत्र में प्रकाशित मानसून/ बाढ़ सम्बन्धी समाचार

Hindustan Times (Delhi)
नवभारत टाइम्स (दिल्ली)
The Tribune (Chandigarh)
The Hindu (Chennai)

The Assam Tribune (Guwahati)
The Times of India (Mumbai)
The Telegraph (Kolkata)
हिन्दुस्तान (पटना)

The Deccan Herald (Bengaluru)
The Deccan Chronical (Hyderabad)
Central Chronical (Bhopal)

Krishna continues to swell with water from Maharashtra

People in low-lying areas being moved to safer places; villages face threat of flooding

BENGALURU: The Hipparagi barrage in Jamakhandi taluk of Bagalkot district continued to receive huge inflow of water on Monday as River Krishna is in spate, following incessant rainfall in Maharashtra.

The inflow was 2.08 lakh cusecs and the outflow was a like quantity. The Kankanawadi-Jamkhandi road is under water due to the floods. Deputy Commissioner P A Meghanavar has said that 11 villages in Jamkhandi taluk will be completely submerged and 16 villages will go under water partially if rain continues in the neighbouring state.

People in Kankanawadi and Muttoor villages are being shifted as a precautionary measure. Bagalkot district in-charge secretary Gangaram Baderia held a meeting with regard to the precautionary measures to be taken, in the city on Monday.

Discharge of water from reservoirs in Maharashtra and heavy rain for the past couple



Residents from Ingali village in Chikkodi taluk, Belagavi district move to a safer place by boat, fearing that their village would go under water, on Monday.
(Right) Brick kilns face the threat of being flooded by water of River Krishna at Manjri village in Chikkodi taluk, Belagavi district. DH PHOTO

of days in the catchment areas of River Krishna and its tributaries has led to an increase in the number of roads and bridges going under water in Chikkodi, Raibag and Athani taluks to 14.

Rain receded in the district

with sunshine being witnessed. Water inflow from Maharashtra into River Krishna increased to 1.84 lakh cusecs.

Residents from Ingali village in Chikkodi taluk shifted to safer places along with their livestock after officials apprised

them of the threat they faced if river water levels rose further. Boats were used to evacuate them.

Despite river Krishna and its tributaries flowing above the danger mark, none of the villages in the basin has been ma-

roomed. Showers receding in Maharashtra has come as a solace with river water levels expected to dip in the next couple of days.

Kodagu district experienced drizzle on Monday. The water level in Harangi reservoir stood

at 2,857.98 feet. The inflow of water was 4,606 cusecs, while 2,240 cusecs water was released into the river.

On the other hand, there was scanty rainfall in Dakshina Kannada.

In the last 24 hours, the dis-

trict received 27.8 mm rainfall.

There was moderate rainfall in the Malnad region of Uttara Kannada district, while showers were on the wane in the coastal region. There was copious inflow into the Kadra reservoir of Karwar taluk, following rain in the catchment areas. Excess water is likely to be released and people in the low-lying areas have been advised to move to safer places.

Intermittent rains lashed various parts of Shivamogga district.

Shivamogga, Bhadravathi, Hosanagar, Thirthahalli, Sagar received moderate to heavy rain intermittently. Shikaripur and Sorab received moderate rain. The water level in Linganamakki dam rose to 1,786.35 feet against the maximum level of 1,819 feet. The inflow of water was 21,670 cusecs. Water level in Mani dam rose to 582.12 metres against the maximum level of 594.36 metres. The inflow was 2,784 cusecs.

DH News Service